महत्वपूर्ण एवं खास

लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी आया घरघोड़ा पुलिस के हाथ

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के दिशा निर्देशन पर वारंटियों की धरपकड़ में लगी घरघोड़ा पुलिस के हाथ लंबे समय से फरार वारंटी कार्तिक राम उर्फ ननकी यादव आया है। फोकटपारा घरघोड़ा में रहने वाले कार्तिक राम यादव पर नकबजनी के दो मामले अलग-अलग न्यायालय में विचाराधीन है , जिनमें कार्तिक का स्थायी वारंट जारी किया गया है। कल घरघोड़ा पुलिस को वारंटी को उसके गांव में देखे जाने की सूचना पर थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक शरद चंद्रा द्वारा गस्त दौरान थाने के स्टाफ को फरार स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों को रेंडम चेक करने का निर्देश दिया गया था जिस पर स्टाफ द्वारा वारंटी कार्तिक राम उर्फ ननकी पिता उग्रसेन यादव उम्र 28 साल फोकटपारा घरघोड़ा थाना घरघोड़ा को उसके गांव से हिरासत में लेकर थाना लाया गया जिसे आज न्यायालय पेश किया गया है।

राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों के लिए दावा आपत्ति

सारंगढ़ बिलाईगढ़। राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना अंतर्गत ग्रामीण और नगरीय निकाय क्षेत्रों में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2023 तक आवेदन प्राप्त किया गया था, जिसका पोर्टल में एंट्री के बाद तहसीलदार द्वारा पंजीकृत आवेदनों का निराकरण 30 अप्रैल से करने के बाद आवेदकों के आवेदनों की स्वीकृति, अस्वीकृति के बाद ग्राम पंचायत, नगर पंचायत और नगरपालिका क्षेत्रों में प्रकाशन कर दावा आपत्ति का ग्राम सभा, सामान्य सभा में निराकरण 8 मई 2023 तक किया जायेगा। अस्वीकृत आवेदन से जुड़े आवेदक संबंधित ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय से संपर्क कर निर्धारित अवधि में अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

रायगढ़ के स्कूलों में इस सत्र में नही दिया गया सोया चिक्की- जिला शिक्षाधिकारी

❑ आगामी सत्र में शासन के निर्देशानुसार होगा वितरण, चल रही तैयारी

रायगढ़। कुछ समाचार पत्रों के खबरों में यह उल्लेख किया गया है कि रायगढ़ में मध्यान्ह भोजन में सोया चिक्की और मिलेट क्रय कर वितरण किया गया है। इस संबंध में जिला शिक्षाधिकारी बी.बाखला ने बताया कि इस शिक्षा सत्र में रायगढ़ जिले के स्कूलों में मध्यान्ह भोजन में सोया चिक्की और मिलेट आधारित खाद्य पदार्थ का वितरण नही किया गया है। समाचार पत्रों में चल रही खबरें निराधार है। उन्होंने बताया कि खरीदी की प्रक्रिया के लिए समिति का गठन किया गया था। विधिवत प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई थी। किंतु जारी निर्देशों के अनुरूप प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर इसे स्थगित कर दिया गया था तथा किसी प्रकार का क्रय आदेश जारी नही किया गया था। उन्होंने बताया कि आगामी शिक्षा सत्र से स्कूलों में सोया चिक्की और मिलेट वितरण के लिए विधिवत कार्यवाही प्रारंभ की गई है। प्रक्रिया पूरी कर शासन के निर्देशानुसार वितरण की कार्यवाही की जायेगी। अत: इस सत्र में रायगढ़ जिले में मध्यान्ह भोजन में सोया चिक्की और मिलेट आधारित खाद्य पदार्थ वितरण की बात पूर्णत: भ्रामक और निराधार है।

रायगढ़ स्टेडियम का होगा जीर्णोद्धार : खेल प्रतिभाओं को मिलेगा सर्वसुविधायुक्त मैदान, जिम का भी होगा कायाकल्प

❑ खेल प्रतिभाओं को उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की सार्थक पहल

❑ बैडमिंटन, बास्केटबाल, स्विमिंग, टेबल टेनिस जैसे खेलों के लिए मिलेगी उच्च स्तरीय सुविधाएं

❑ पुराने कामों की होगी मरम्मत : लाइटिंग, फेंसिंग के साथ पेवेलियन और गैलरी में भी होगा सुधार

रायगढ़। रायगढ़ में खेल प्रतिभाओं को उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने शहर के सबसे बड़े स्टेडियम को संवारने की कवायद कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की पहल पर शुरू कर दी गई है। इसमें खेल के लिए मैदान और कोर्ट को विकसित करने के साथ पहले से मौजूद सुविधाओं को बेहतर करने का काम किया जा रहा है। ताकि रायगढ़ के साथ साथ जिले के खिलाड़ी खेलें, बढ़ें, निखरे और प्रदेश के साथ राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा दिखा सकें।

कलेक्टर सिन्हा ने सीएसआर के तहत इसकी जिम्मेदारी जिंदल समूह को दी है। पिछले दिनों निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत रायगढ़ स्टेडियम के जिम, बैडमिंटन और बास्केटबाल कोर्ट, स्विमिंग पूल, टेबल टेनिस हाल में सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। मुख्य गैलरी और पेवेलियन की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। स्टेडियम में संपूर्ण जिम का काया-कल्प किया जाएगा। जिनमें उपकरणों की व्यवस्था, जिम के फर्श पर मैटिंग का कार्य, रंगाई-पुताई, महिलाओं हेतु पृथक से वॉशरुम व चेंजिंग रुम का निर्माण होगा। नए उपकरणों की व्यवस्था के साथ पुराने उपकरणों के मरम्मत का कार्य निर्धारित है।

बैडमिंटन-दोनों कोर्ट बैडमिंटन कोर्ट का विश्व स्तरीय वुडन कोर्ट व संपूर्ण हॉल का जीर्णोद्धार किया जाएगा। जिसके तहत वुडन कोर्ट में हाई क्लास 5 एमएम मैटिंग बिछाया जायेगा, सुविधाओं का विस्तार करते हुए हॉल के अंदर वॉशरुम व चेंजिंग रूम, रिसेप्शन कंपार्टमेंट व प्रवेश द्वार की मरम्मत की जाएगी।

बास्केट बॉल- रायगढ़ स्टेडियम में वर्तमान में एक बास्केट बॉल कोर्ट है। उसके जीर्णोद्धार के साथ ही एक नया बास्केटबाल कोर्ट भी बनाया जायेगा। इसके साथ ही दोनों कोर्ट के बाहर जाली दार फेंसिंग व लाईटिंग की व्यवस्था किया जाएगा। जिससे डे और नाइट में खिलाड़ी अभ्यास कर सकें।

टी.टी.हॉल-टी.टी.हॉल को जाने वाली सीढ़ियों को नये स्वरुप व डिजाईन में बनाया जाना, टी.टी.हॉल में टाईल्स, बाथरूम का जीर्णोद्धार खिड़कियों एवं दरवाजों को नवीनीकरण व कुलिंग की व्यवस्था का कार्य किया जाएगा।

स्विमिंगपुल-स्विमिंगपुल में स्थित दोनों गैलरियों में सीढ़ियों एवं शैड का निर्माण, फिल्टर प्लांट में सिलिका सेंड को बदले जाने का कार्य स्विमिंग पुल में 8 नग लैन लेने का कार्य, स्विमिंग पुल के गार्डन में घांस एवं पौधे लगाने का कार्य, पुल के चारों और अभिभावकों के बैठने हेतु शेड निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

पेवेलियन एवं मुख्य गैलरी- रायगढ़ स्टेडियम मैदान के अंदर का मुख्य पेवेलियन जो कि पुराना व जीर्ण हो चुका है। इसका भी जीर्णोद्धार करने का प्रस्ताव है। जिसके तहत स्कोरिंग सेक्शन, रेलिंग और टॉयलेट की मरम्मत व रंगाई-पोताई किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्य गैलरी के लिए शेड का निर्माण भी किया जाएगा।

हाई मास्ट फ्लैग पोस्ट-रायगढ़ स्टेडियम परिसर में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के द्वारा जिंदल समूह की ओर से 72 फिट उंचाई का हाई मास्ट फ्लैग पोस्ट का निर्माण किया जा चुका है। उक्त फ्लैग पोस्ट का लोकार्पण भी किया जाना है।

स्कूल के बाहर से चोरी हुई बाइक, घरघोड़ा पुलिस ने चंद घंटों में किया बरामद

रायगढ़। ग्राम भेंड्रा का मन्नु राम खडिया (28 साल) अपने HF डिलक्स मोटर सायकल CG 13 W- 4720 पर निजी काम से कल शनिवार को इंग्लिश मीडियम स्कूल घरघोड़ा आया था। स्कूल के बाहर बाइक खड़ी कर मन्नु खड़िया थोड़ी देर के लिये स्कूल अंदर गया और बाहर आया तो देखा उसकी बाइक गायब थी। आसपास के लोगों से पूछताछ कर मन्नु बाइक का पता किया पर बाइक के नहीं मिला। तब मन्नु थाना घरघोड़ा जाकर बाइक चोरी के संबंध में जानकारी थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक शरद चंद्रा को दिया। थाना प्रभारी ने थाने के पेट्रोलिंग स्टाफ को स्कूल के बाहर से HF डिलक्स बाइक चोरी के संबंध में जानकारी देकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर माल-मुल्जिम की पतासाजी का निर्देश दिये, साथ ही थाने से सहायक उप निरीक्षक राम संजीवन वर्मा को मन्नु खड़िया के साथ घटनास्थल रवाना कर मामले की तस्दीकी कर वैधानिक कार्यवाही का निर्देश दिये। सहायक उप निरीक्षक रामसंजीवन वर्मा, मन्नु खडिया को साथ लेकर इंग्लिश मीडियम स्कूल घरघोड़ा पहुंचे तो देखे बाइक स्कुल के बाहर अन्यत्र स्थान पर खड़ी थी, कोई अज्ञात व्यक्ति बाइक को खड़ी कर छोड़ गया था।

हाई स्कूल पंचपारा के प्राचार्य आनंदराम पटेल को दी गई भावभीनी विदाई

❑ बीईओ दिनेश पटेल एवं ग्राम सरपंच सहित कई प्राचार्य शामिल

रायगढ़। शासकीय हाई स्कूल पंचपारा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत रहे आनंदराम पटेल का कल शासकीय हाई स्कूल पंचपारा से अधिवार्षिकी सेवा पूर्ण करने से भावभीनी विदाई दी गई। आनंद राम पटेल लम्बे समय तक शिक्षा विभाग के अनेक पदों पर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये एक अच्छे शिक्षक व प्राचार्य के रूप ख्याति प्राप्त किये। अधिवार्षिकी सेवा पूर्ण करने से संयुक्त संकुल पंचपारा एव हाई स्कूल पंचपारा द्वारा सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आनंदराम पटेल सेवानिवृत्त प्रचार्य एवं अध्यक्षता दिनेश पटेल विकास खंड शिक्षा अधिकारी पुसौर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित प्राचार्य एवं सरपंच ने मंच को सुशोभित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के कमल रज को प्रणाम करते हुये शारदा वंदना के साथ प्रारंभ किया गया। आगन्तुक सभी अतिथियों का स्वागत करते हुये स्वागत उद्बोधन के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ जिसमें सर्व प्रथम आनंद राम पटेल के जीवन परिचय सह अभिनंदन पत्र का वाचन किया गया। तत्पश्चात सम्मान समारोह कार्यक्रम को स्टाफ के व्याख्याता गण, शिक्षक वृन्द, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पूर्व में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा संबोधित किया गया गया, जिसमें एक कर्तव्यनिष्ठ आत्म चिंतन, सरल, सहज और सौम्य विचार धारा के रूप में आनंद राम पटेल के विशेषता को संबोधित किया गया। आनंद राम पटेल द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुये बच्चों को शुभाशिष प्रदान कर अपने शिक्षिकीय अनुभव को साझा किया गया।

इस कार्यक्रम में छबीलाल पटेल, प्राचार्य शा.हायर सेकेंडरी स्कूल औरदा, गुणमणी भोय, प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल छिछोर उमरिया, अमरबेली केरकेट्टा, प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल पुसौर, एरिना केरकेट्टा प्राचार्य, हाई स्कूल बडेहरदी, भुवनेश्वर पटेल प्रभारी प्राचार्य हाई स्कूल, सोडेकेला सरपंच विकास पटेल, गणेशराम सिदार, संकुल शैक्षिक समन्वयक श्रवण कुमार साव, शान्तानु पंडा, पंचानंद निषाद, अन्य संकुल से पधारे सभी सीएसी, सेवा निवृत्त शिक्षक संयुक्त संकुल पंचपारा के सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी एव गणमान्य नागरिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अन्त में आभार प्रदर्शन करते हुये उपहार भेट कर आनंद राम पटेल के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ के राज्य महिला उद्यमिता नीति से उद्योग स्थापना हेतु मिलेगा वित्तीय सहायता

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । महिलाएं जितनी सशक्त होंगी, विकास उतनी ही तेजी से होगा। छत्तीसगढ़ सरकार हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नई योजनाओं के निर्माण के साथ ही उन्हें प्रोत्साहन दे रही है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लघु और कुटीर उद्योग में बड़ी संख्या में महिलाएं काम कर रही है। इसके साथ ही स्व-सहायता समूह के माध्यम से गौठानों, वनोपज संग्रहण सहित अन्य क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं राज्य के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिलाओं की कार्यकुशलता को एक नई पहचान देने और उन्हें उद्यम से जोड़ने के लिए राज्य महिला उद्यमिता नीति 2023-28 लागू की है। इस नीति के तहत महिलाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता (ऋण) देने का प्रावधान किया गया है। इससे महिला कार्यबल में वृद्धि होने के साथ ही उद्योग एवं व्यापार में उनकी सहभागिता बढ़ेगी। इस नीति से महिलाओं के द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप की संख्या में भी तेजी से इजाफा होगा।

स्थायी पूंजी निवेश का 55 प्रतिशत तक, 1 करोड़ 20 लाख तक स्थायी पूंजी निवेश अनुदान- राज्य महिला उद्यमिता नीति 2023-28 के तहत राज्य की महिला उद्यमी को विनिर्माण उद्यम परियोजना के लिए अधिकतम 50 लाख रूपए, सेवा उद्यम परियोजना के लिए अधिकतम 25 लाख रूपए और व्यवसाय उद्यम परियोजना के लिए अधिकतम 10 लाख रूपए तक ऋण देने का प्रावधान रखा गया है। इस नीति के तहत महिला उद्यमियों द्वारा प्रदेश में स्थापित नवीन, विस्तारीकरण, शवलीकृत पात्र सूक्ष्म, लघु एवं मध्य विनिर्माण व सेवा उद्यमों को आर्थिक निवेश प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। उद्यम में किए गए स्थायी पूंजी निवेश का 30-55 प्रतिशत तक यानी 40 लाख से 1 करोड़ 20 लाख रूपए तक स्थायी पूंजी निवेश अनुदान, उद्यमों के लिए प्राप्त किए गए सावधि ऋण तथा परियोजना प्रतिवेदन में प्रावधानित कार्यशील पूंजी (अधिकतम तीन माह की आवश्यकता के बराबर) पर 45 से 70 प्रतिशत, अधिकतम राशि 15 से 60 लाख रूपए तक ब्याज अनुदान, नए उद्यमों की स्थापना के लिए 50 प्रतिशत, अधिकतम 75 लाख रूपए तक मार्जिन मनी अनुदान, नेट राज्य वस्तु एवं सेवा कर (नेट एसजीएसटी) प्रतिपूर्ति वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के दिनांक से 6 से 16 वर्षों तक, विद्युत शुल्क से छूट वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने के दिनांक से 6 से 12 वर्षों तक पूर्ण छूट और उक्त के अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क से छूट, परिवहन अनुदान, मण्डी शुल्क से छूट, किराया अनुदान दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

स्टार्टअप पैकेज में 5 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान, एक वर्ष अतिरिक्त छूट- महिला स्व-सहायता समूहों को अतिरिक्त आर्थिक निवेश प्रोत्साहन के रुप में अनुदानों में 5 प्रतिशत का अतिरिक्त अनुदान और छूट के मामलों में 1 वर्ष की अतिरिक्त समयावधि दी जाएगी। महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप उद्यमों को औद्योगिक नीति 2019-24 के अंर्तगत घोषित स्टार्टअप पैकेज में 5 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान एवं छूट के मामलों में एक वर्ष अतिरिक्त छूट का प्रावधान किया गया है।

बाईपास बंगाली ढाबे के पास सट्टा पट्टी लिखते युवक गिरफ्तार, घरघोड़ा पुलिस ने भेजा जेल

रायगढ़। नव पदस्थ थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक शरद चंद्रा के नेतृत्व में घरघोड़ा पुलिस द्वारा गत दिनांक 29.04.2023 को मुखबिर सूचना पर घरघोडा बाईपास बंगाली ढाबा के पास एक युवक को कल्याण नामक सट्टा पट्टी का विभिन्न अंको में सट्टा पट्टी लिखते पकड़ा गया है। थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि युवक ढाबा के पास लड़के से सट्टा नोट कर रहा है। सट्टा लिखने वाले युवक ने अपना नाम गुलशन दास महंत पिता मानिक दास महंत उम्र 26 वर्ष साकिन घरघोडी, थाना घरघोडा जिला रायगढ़ बताया जिसके पास से नगदी रकम 1210 रूपये, एक नग डाटपेन और 3 पन्ने में लिखा सट्टा 7870 रूपये का सट्टा विवरण जप्त किया गया है। आरोपी पर गुलशन दास महंत पर नवीन छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत थाना घरघोड़ा में कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है। कार्यवाही में थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक शरद चंद्रा हमराह प्रधान आरक्षक राजेश उरांव आरक्षक उद्यो पटेल, भानु चन्द्रा का विशेष योगदान रहा है।

ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग नीति से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : रीपा से मिलेगी समृद्धि

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार प्रदान कर उनकी आमदनी को बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग नीति-2022 लागू की गई है

राज्य में ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन देने के तहत 600 करोड़ रूपये की लागत से 300 रूरल एण्डस्ट्रीयल पार्क की स्थापना (रीपा) को स्वीकृति दी गई है। साथ ही 5 वर्षों के भीतर प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक ग्रामीण औद्योगिक पार्क बनाये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस नीति में छोटे निवेशकों को सेवा क्षेत्र में उद्यम के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। ऐसे विकासखण्डों जिनमें पारंपरिक रूप से ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग प्रचलित है, उन विकासखण्डों को उच्च प्राथमिकता विकासखण्ड के रूप में वर्गीकृत कर सामान्य से अधिक अनुदान प्रदान किये जा रहे है। इस नीति के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक नहीं कि इकाई ग्रामीण क्षेत्र में ही स्थापित हो। ग्रामीण क्षेत्रों की भांति ही शहरी क्षेत्रों में अर्बन इण्डस्ट्रीयल पार्क की स्थापना का कार्य भी किया जा रहा है।

राज्य की पारम्परिक कलाओं जैसे हैण्डलूम वीविंग, मधु मक्खी पालन, लाख, जड़ी बुटी संग्रहण, बेल मेटल, ढोकरा शिल्प, बांस शिल्प, गोबर एवं गौ मूत्र से बने उत्पाद, वनोपज से बने उत्पाद, अगरबत्ती, मोमबत्ती निर्माण, सिलाई, बुनाई इत्यादि को उच्च प्राथमिकता एवं प्राथमिकता निर्धारित कर विशेष प्रोत्साहन प्रदान किये जा रहे हैं। इस नीति के तहत महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान है। आईटीआई, पॉलिटेक्निक आद में ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी तथा भविष्य के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी।

हमारे पुरखों ने बोरे बासी खाकर कड़े परिश्रम से इस धरती को बनाया उपजाऊ

❑ श्रमिक दिवस पर विशेष आलेख

रायगढ़। भारत में खानपान को लेकर जो परंपराएं हैं उसमें हमेशा एक तत्व देखा गया है कि राज्यव्यवस्था हमेशा लोकजीवन के साथ उत्सवों में हिस्सा लेती थी। पुराने दौर में राजसूय यज्ञ होते थे जिसमें राजा स्वयं आम जनता के साथ ऐसे उत्सव में हिस्सा लेते थे। जब राजव्यवस्था स्थानीय संस्कृति का आदर करती है तो जनता का भी अपनी संस्कृति के प्रति गौरवबोध मजबूत होता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पिछली बार अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के दिन सबसे बोरे बासी खाने का आग्रह किया। उनका यह संदेश बहुत लोकप्रिय हुआ और छत्तीसगढ़ से बाहर भी विदशों में भी बसे छत्तीसगढिया परिवारों ने इस दिन बोरे-बासी खाकर हमारी समृद्ध खानपान परंपरा को भी जिया।

हिंदी के राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रसिद्ध कविता है कि जो भरा नहीं है भावों से, जिसमें बहती रसधार नहीं, वो हृदय नहीं वो पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं। स्वदेश के प्रति प्रेम क्या है उसकी संस्कृति से अनुराग, भाषा से अनुराग और खानपान की परंपराओं से अनुराग। जब हम सैकड़ों बरसों से चली आ रही खाद्य परंपराओं को अपनाते हैं तो अपने पुरखों के संजोये धरोहरों को भी आगे बढ़ाते हैं। हमारे पुरखों ने बोरे बासी खाकर कड़े परिश्रम से इस धरती को उपजाऊ बनाया।

छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और धान का कटोरा यूँ ही नहीं भरता, लाखों मेहनतकश किसानों के तिल-तिल कर मेहनत करने से यह कटोरा भरता है और समृद्ध होता है। यह मेहनत तब हो पाती है जब समय का सदुपयोग होता है। इसके लिए बोरे बासी सबसे आसान खाद्य पदार्थ है। रात के वक्त बचा चावल भीगा दो और सुबह तक बासी तैयार हो जाती है। रात को जो किण्वन की प्रक्रिया होती है उससे बासी में विशेष स्वाद आ जाता है। बासी का विटामिन सुबह तक रिचार्ज कर देता है। सदियों से यह छत्तीसगढिया लोगों के लिए तरोताजा करने वाला खाद्य पदार्थ रहा है।

बोरे और बासी श्रम का प्रतीक है। कर्क रेखा के क्षेत्र में पडऩे वाले हमारे प्रदेश में कड़ी धूप में श्रम के लिए मेहनतकश लोगों को तैयार करने में बोरे-बासी से विशेष मदद मिलती है। गोंदली अर्थात प्याज के साथ बोरे बासी का स्वाद शरीर को ताजगी प्रदान करता है और डिहाइड्रेशन के खतरे को कोसों दूर रखता है। छत्तीसगढ़ में प्याज को लेकर मान्यता भी है कि इससे लू नहीं लगती। माताएं अपने बच्चों को घर से निकलते वक्त उनके जेब में प्याज रख देती हैं। इस तरह गोंदली और बोरे बासी का संयोग लू से लडऩे की ताकत देता है।

बोरे बासी हमारी परंपरा में इतना रचा बसा है कि लोक परंपराओं में कितने ही गीत इसे लेकर बनाये गये हैं। इनमें से सबसे प्रसिद्ध गीत है अजब विटामिन भरे हुए हैं छत्तीसगढ़ के बासी में। जब ददरिया सुनते हैं तो एक गीत आता है कि बटकी म बासी अउ चुटकी म नून, मैं गात हंव ददरिया तैं कान देके सुन। बोरे बासी की लोकप्रियता से ही इस खाद्य पदार्थ को इतनी जगह लोकसंस्कृति में मिल पाई है। दरअसल हमारा खानपान न केवल हमारी रुचि से जुड़ा होता है अपितु हम भावनात्मक रूप से भी इससे गहराई से जुड़े रहते हैं। जब छत्तीसगढ़ के किसी किसान परिवार का बेटा शहर में बसता है तो भी उसकी जड़ें गाँव में बनी रहती हैं। उसकी सुबह बासी के साथ होती है और दोपहर का नाश्ता बोरे के रूप में। यह केवल फूड हैबिट नहीं है अपितु भावनात्मक लगाव है।

जब हम अपनी खानपान की परंपराओं को सहेजते हैं तो कहीं न कहीं हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को भी सहेजते हैं। किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान का बड़ी हिस्सा उसकी खानपान की परंपरा होती है। छत्तीसगढ़ में इसे सहेजने के लिए जो कदम उठाये गये हैं और जिस तरह से स्थानीय खानपान की परंपराओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उससे प्रदेश के ठोस सांस्कृतिक विकास की नींव पुख्ता हो गई है।

आलेख- सौरभ शर्मा, जनसंपर्क संचालनालय रायपुर

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480